

करना; कीमत चुकाना- दाम देना; कीमत लगाना- दाम आँकना।

**कीमती वि.** (अर.) अधिक दामों का, बहुमूल्य।

**कीमा पुं.** (फा.) बहुत छोटे-छोटे टुकड़ों में कटा हुआ गोश्त मुहा. कीमा करना- किसी चीज़ के छोटे-छोटे टुकड़े करना।

**कीमिया स्त्री.** (अर.) 1. रासायनिक क्रिया, रसायन 2. सोना, चाँदी बनाने की विद्या 3. वह रसायन जो अमोघ हो 4. कार्यसिद्ध करनेवाली युक्ति।

**कीमियागर वि.** (अर.फा.) 1. रसायन बनानेवाला 2. ताँबे आदि से सोना, चाँदी बनानेवाला 3. कार्यकुशल।

**कीमियागरी स्त्री.** (अर.फा.) रसायन बनाने की विद्या।

**कीर पुं.** (तत्.) 1. शुक, तोता 2. व्याध, कश्मीर देश, कश्मीर देशवासी 4. मांस।

**कीरात पुं.** (अर.) चार जों की तौल (तद्.) किरात।

**कीरी स्त्री.** (तद्.) 1. महीन छोटे कीड़े जो गेहूँ, जौ आदि की बाल के भीतर जाकर उसका दूध खा जाते हैं 2. चीटी, कीड़ी 3. बहेलिया की स्त्री।

**कीर्तन पुं.** (तत्.) 1. भगवान का यशोगान, भगवान की लीलाओं का भजन, कथन, गुण वर्णन।

**कीर्तनकार पुं.** (तत्.) कीर्तन करनेवाला।

**कीर्तनिया पुं.** (तद्.) कृष्णलीला के भजन और कथा सुनानेवाला, कीर्तनकार।

**कीर्ति स्त्री.** (तत्.) 1. ख्याति, यश 2. पुण्य 3. सीता की एक सहेली 4. आर्या छंद का एक भेद, जिसमें 14 गुरु और 19 लघु वर्ण होते हैं 5. दशाक्षरी वृत्तों में से एक जिसके प्रत्येक चरण में तीन सगण और एक गुरु होता है 6. प्रसाद 7. शब्द 8. विस्तार 9. कीचड़ 10. दक्ष प्रजापति की एक कन्या और धर्म की पत्नी।

**कीर्तिमान वि.** (तत्.) यशवती, मशहूर।

**कीर्तिशेष वि.** (तत्.) दिवंगत कीर्तिमान, नामशेष, आलेख्य शेष।

**कीर्तिस्तंभ पुं.** (तत्.) 1. वह स्तंभ जो किसी की कीर्ति की स्मृति में बनाया जाय 2. वह वस्तु जो कीर्ति स्थायी करे।

**कील स्त्री.** (तत्.) 1. लोहे या काठ की मेख, कांटा, परेग, खूँटी 2. वह मूढ़-गर्भ जो योनि में अटक जाता है 3. नाक में पहनने का एक छोटा गहना, लॉग 4. मुँहासे की मांसकील 5. स्त्री प्रसंग में एक प्रकार का आसन 6. खूँटी जिस पर कुम्हार का चाक घूमता है 7. अग्निशिखा 8. सूक्ष्म कण 9. शिव 10. जुआरी।

**कीलक पुं.** (तत्.) 1. खूँटी 2. पशुओं के बाँधने का खूँटा 3. तंत्र के अनुसार एक देवता 4. किसी मंत्र का मध्य भाग 5. वह मंत्र जिससे किसी अन्य मंत्र की शक्ति को नष्ट कर दिया जाए 6. एक स्तव या स्तोत्र जो सप्तशती पाठ करने के समय किया जाता है 7. केतु विशेष।

**कील-काँटा पुं.** (तद्.) 1. लोहार या बढ़ई का औज़ार 2. हरबा, हथियार।

**कीलना स.क्रि.** (तद्.कीलन) 1. मेख जड़ना 2. मंत्र के प्रभाव को नष्ट करना 3. साँप को ऐसा मोहित करना कि वह किसी को काट न सके 4. अधीन करना।

**कीला पुं.** (तद्.) बड़ी कील, काँटा दे. कील।

**कीलाक्षर पुं.** (तत्.) एक प्रकार की प्राचीन लिपि, जिसके अक्षर कील के आकार के होते थे। इस लिपि के लेख ईसा के कई सौ वर्ष पूर्व पाए गए हैं।

**कीलित वि.** (तत्.) 1. जिसमें कील जड़ी हो 2. मंत्र से स्तंभित, कीला हुआ 3. जिसका प्रभाव रोक दिया गया हो।

**कीली स्त्री.** (तद्.) 1. किसी चक्र के ठीक मध्य के छेद में पड़ी हुई वह कील या डंडा जिस पर चक्र घूमता है, धुरी जैसे- पृथ्वी अपनी कीली पर घूमती है

**कुंकुम पुं.** (तत्.) 1. केसर, जाफरान 2. लाल रंग की बुकनी (पावडर), जिसे स्त्रियाँ माथे में लगाती हैं, रोली 3. कुमकुम।